तैयारी: सिटी लॉजिस्टिक प्लान से उद्योगों को मिलेगा सड़क नेटवर्क

विकास योजना

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। जल्द ही बरेली वर्ल्ड क्लास सिटी लॉजिस्टिक शहर के नाम से भी पहचान बनाने जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन पर बरेली महायोजना 2031 के तहत बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने राइट्स कंपनी के सर्वे के बाद सिटी लॉजिस्टिक प्लान (सीएलपी) पर भी काम शुरू कर दिया है। पहला फेज की शुरुआत परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र से जाने जा रही है। इसका डिमांड सर्वे पूरा करने के बाद आगे की प्रक्रिया में काम हो रहा है। प्राधिकरण ने 2056 तक आबादी के हिसाब से इसका खाका खींचा है।

मेट्रो परिवहन के लिए पिछले दिनों राइट्स कंपनी के टीमों ने परिवहन को लेकर शहर का सर्वे किया था। इसकी डीपीआर बनाई गई। बरेली महायोजना 2031 के तहत शहर की आबादी 2056 तक कितनी होगी और परिवहन संचालन को कैसे पटरी पर लाया जाए इसकी रिपोर्ट बनाई। सीएलपी प्रोजेक्ट पर बीडीए ने काम शुरू कर दिया। अलग-अलग फेज में होने वाले इन कार्यों में जहां मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क बनाया जाएगा वहीं मौजूदा टीपी नगर में सुधार कार्य किए जाएंगे। बदायूं रोड पर वेयरहाउस फ्रेट टर्मिनल बनेंगे तो शहर के एक स्थान में ही कोल्ड स्टोर चेन स्थापित की जाएगी। 32 से 60 किलोमीटर रोड नेटबर्क तैयार किया जाएगा। इस पर कितना खर्च होगा इसकी एस्टीमेटम बन रहा है।

यह मिलेगी सुविधा

लॉजिस्टिक एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें माल, सेवाओं या सूचनाओं का योजनाबद्ध तरीके से **उत्पादन** वाले स्थान से उपयोग वाले स्थान पर **पहुंचाने** की सुविधा दी जानी है। शहरों में फ्रेट **सेंटर** विकसित करने, रात के समय डिलीवरी, **ट्रक** रूट विकसित करने, इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम और आधुनिक तकनीक **का** उपयोग, शहरी माल ढुलाई में विद्युतीकरण **को** बढ़ावा देने, पार्सल डिलीवरी टर्मिनल आदि **की** सुविधा दी जानी है।

ये होंगे बदलाव

- वाहनों को खड़ा करने के साथ ही माल रखने को वेयरहाउस
- सभी तरह के माल के रखने, उतारने व लदान की सुविधा
- प्लान के तहत ट्रांसपोर्टनगर व लॉजिस्टिक पार्क जुड़ेगा
- उद्योगों को माल परिवहन के लिए सड़कों का नेटवर्क बनेगा
- कंटेनर डिपो बनाए जाएंगे

2056 तक आबादी को देखते हुए होगा काम

सिटी लॉजिस्टिक प्लान को शॉर्ट टर्म, मिड टर्म और लॉन्ग टर्म में बांटा गया है। पहले फेज में परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र से इसकी शुरूआत की है। दूसरे फेज में बदायूं रोड और तीसरे फेज में फरीदपुर लखनऊ रोड को योजना में शामिल किया। अधिकतर प्रोजेक्ट को शॉर्ट और मिड टर्म के हिसाब से विकसित करना है। पहला फेज 2025, दूसरा फेज 2035 और तीसरा फेज समयानुसार तक पूरा किया जाना है।

कई शहरों के सामान की बुकिंग होगी

पहले फेज में तैयार वेयरहाउस फ्रेट टर्मिनल और ट्रांसपोर्ट नगर में दिल्ली, हरियाणा, अलीगढ़, आगरा, जयपुर, मुंबई, लखनऊ, कानपुर और उत्तराखंड तक का माल बुक होने के लिए आएगा। इन्हीं राज्यों को ध्यान में रखकर आगामी भविष्य के लिए ही इसे 2056 तक विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

> शहर के विस्तार को देखते हुए सिटी लॉजिस्टिक प्लान पर काम किया जा रहा है। परसाखेड़ा में डिमांड सर्वे पूरा होने के बाद आगे की प्रक्रिया हो रही है।
>
> – मनिकंडन ए, उपाध्यक्ष बीडीए